University in News on 08 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 4

ई-कंटेंट से क्लास तो चल रहे, पर प्रैक्टिकल अब भी बड़ी समस्या

माई सिटी रिपोर्टर

लविवि में विज्ञान के विद्यार्थियों को रही समस्या

लॉकडाउन खुलने का कर रहे इंतजार

“लॉकडाउन की अवधि में थ्योरी क्लास का विकल्प तो निकाल लिया गया, लेकिन प्रैक्टिकल का कोई तरीका नहीं है। हम लॉकडाउन खुलने का इंतजार करेंगे।
-डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लविवि

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में ई-कंटेंट के माध्यम से क्लास का विकल्प निकल आया है, लेकिन प्रैक्टिकल अब भी बड़ी समस्या है। विज्ञान के विद्यार्थी प्रैक्टिकल के अभाव में अपना विषय नहीं समझ पा रहे हैं। सबसे ज्यादा समस्या स्नातक के विद्यार्थियों को हो रही है। स्नातक स्तर पर लागू सेमेस्टर प्रणाली में लविवि ने विषम सेमेस्टर के बजाय सारे प्रैक्टिकल सम सेमेस्टर में ही रखे हैं। ऐसे में इस साल विद्यार्थियों ने अभी तक प्रैक्टिकल ही नहीं किये हैं। काफी मंथन के बावजूद विद्यार्थियों के लिए इसका विकल्प नहीं निकल पाया है। कोरोना संक्रमण की आशंका में पूरे देश में लॉकडाउन लागू है। इसी वजह से लविवि की कक्षाएं भी स्थगित हैं। शिक्षकों ने इसके बाद ई-कंटेंट के माध्यम से विद्यार्थियों की पढ़ाई शुरू की थी। कई शिक्षकों ने विद्यार्थियों की ऑनलाइन क्लास लेनी भी शुरू कर दी। इससे विद्यार्थियों का सिलेबस पूरा किया जा रहा है, लेकिन प्रैक्टिकल का मामला अटक गया है। फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, जियोलॉजी किसी भी विषय के प्रैक्टिकल ऑनलाइन संभव नहीं हैं। उसके लिए उन्हें प्रयोगशाला तक आना ही पड़ेगा। अब विद्यार्थियों के साथ ही शिक्षक भी इस पर लगातार मंथन कर रहे हैं। कई टॉपिक ऐसे हैं, जिन्हें समझने के लिए प्रैक्टिकल बेहद जरूरी है। प्रैक्टिकल न होने की वजह से उनकी क्लास भी अधूरी सी है। तय होती है प्रैक्टिकल की न्यूनतम क्लास लविवि ने विज्ञान के हर पेपर के लिए प्रैक्टिकल के लिए न्यूनतम क्लास तय कर रखी है। लविवि के शिक्षकों के अनुसार, इसका एक ही विकल्प है कि लॉकडाउन खुलने के बाद विद्यार्थियों के प्रैक्टिकल लगातार कराए जाएं। कोशिश की जाएगी कि लॉकडाउन की अवधि में थ्योरी की पढ़ाई पूरी कर ली जाए, इसके बाद केवल प्रैक्टिकल ही बचेंगे।

PIONEER Page 4

बीएड में इंटर्नशिप पूरी करेंगे स्टूडेंट्सः प्रो बाजपेई

लखनऊ। कोरोना वायरस के चलते 14 अप्रैल तक लागू लॉक डाउन की वजह से प्रभावित हो रही बीएड स्टूडेंट्स समस्याओं को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय ने विवि व सम्बद्ध कालेजों के इंटर्नशिप को पूरा करने का निर्णय लिया है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफसे स्टूडेंट को असाइनमेंट दिए जाएंगे। असाइनमेंट के आधार पर प्राप्त नंबरों को इंटर्नशिप के तौर पर जोड़ा जाएगा। एलयू की शिक्षा विभाग की डीन प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि स्टूडेंट्स को परेशान होने की कोई जरूरत नहीं है वे अपनी ढाई महीने की ट्रेनिंग की रिपोर्ट कॉलेज को सौप दे और आगे की बची हुई ट्रेनिंग को पूरा करने के आधार पर स्टूडेंट्स को स्कूल एक्टीविटीज से जुड़े हुए असाइनमेंट दिए जाएंगे। जिनको पूरा करके स्टूडेंट्स को कॉलेजों को सौपना होगा वे उनकी बची हुई ट्रेनिंग में जोड़ दिया जाएगा। परीक्षा में जो ट्रेनिंग का मूल्यांकन होना उसमें वे असाइनमेंट ट्रेनिंग के तौर पर माने जाएंगे। प्रो. बाजपेई का कहना है कि हम स्टूडेंट्स के भविष्य को अधर में नहीं डाल सकते क्योंकि लॉकडाउन खुलने के तुरन्त बाद स्टूडेंट्स को स्कूल मिल पाना मुश्किल होगा इसलिए ये विकल्प इस साल के फोर्थ सेमेस्टर के स्टूडेंट्स को दिया गया है।

TOI Page 2

LU picks up research pace by 60% during corona lockdown

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: Some cheer in time of gloom. The lockdown has snapped the laggard tag on Lucknow University at least in research departments, which witnessed a dramatic 60% rise in productivity in last 10 days — March 25-April 5.

The LU faculty took this opportunity to complete 60 research papers, pending for months due to a busy academic calendar. This works out to an average of six papers per day. A five-year number crunching shows only one paper was completed every day. Many papers completed during lockdown were sent to international journals for publication.

The completed research papers include 50 of the science faculty, four each of arts and commerce and one each of education and law faculties. The physics department wore the crown with 22 finished papers, followed by zoology (15).

"Earlier, papers sent to international journals including Springer, Elsevier, Nature, Royal Society of Chemistry and Cambridge, were sent back to professors for review. We utilised this time to revise and send it back to journals, which accepted and published them," said head physics department, Prof Poonam Tandon.

Some teachers utilised free time to draft papers on wound-up research projects, but not penned down because of busy schedule. Now, they have sent these papers for publication, said head political science, Prof Shashi Shukla. Teachers who accelerated research process are Prof Poonam Tandon (physics) with 12 papers, Prof Monisha Banerjee and Geetanjali Mishra (zoology) four each and Prof Rajiv Manohar (physics) with three papers.

FEATHER IN THE CAP

The faculty also used the time to complete or edit at least 10 books. Prof Ashutosh Shukla (botany) edited four books, Prof Ruby Yadav (zoology) two, Prof Shashi Shukla (political science) revised two books while Prof Amarjeet Yadav (yogic science) completed writing two books.

LU VC Prof Alok Kumar Rai said, "Our teachers are utilising the lockdown period in the best possible way. The actual output in research could be more than statistics available now."